हैंडलूम से जुड़े समूहों को अब संवारेगा निफ्ट

जागरण संवाददाता, वाराणसी: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े हस्तकला उद्यम को अब राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) तकनीकी सपोर्ट देगा। इसकी रुपरेखा खींची जा चुकी है। प्रस्ताव भी तैयार है। आजीविका मिशन निदेशालय से स्वीकृति मिलते ही इस पर कार्य शुरू हो जाएगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित लगभग 600 समूह सीधे तौर पर इस समय पावरलूम पर निर्भर हैं। इसके अलावा तीन हजार समूह के सदस्य हैंडलूम वर्क पर कार्य कर रहे हैं। कोई साड़ी, सूट तो कोई बैग आदि पर कार्य कर रहा है। इसमें से दस फीसद ही लखपति क्लब में शामिल हैं। शेष बेहतर मार्केटिंग की तलाश में हैं। अब इनकी किस्मत बदलने वाली है। जिला स्तर पर अधिकारियों के प्रयास के फलस्वरूप निफ्ट ने समूह की महिलाओं को नई तकनीकी से दक्ष करने को हामी भर दी है। इसके साथ ही प्रपोजल भी सौंप दिया है। अब जिले स्तर पर इसका प्रस्ताव बनाकर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन निदेशालय को भेजने की तैयारी है। इसी के साथ हैंडलूम से जुड़े चुनिंदा व सक्रिय समूहों की तलाश भी शुरू हो गई है।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान समूहों को प्रशिक्षण के दौरान नई-नई डिजाइन की जानकारी देगा। साथ ही मार्केटिंग की कला की सीख भी देगा। इतना ही नहीं इंटरनेट बाजार में उतरने व ठहरने की आदि में भी दक्ष करेगा।

समूह की महिलाएं बैग बनाते हुए ● एनआरएलएम

600

समूहों की अब पावरलूम से जुड़ने से बदलेगी किस्मत